Fortis Hospital, Noida :

Dainik Jagran, April 25, 2014, Edition : Noida, Page 22 :

सेहत पर संकट : मच्छर अब बढ़ा चुके हैं अपनी प्रतिरोधक क्षमता

मौज में मादा एनाफिलीज, बेअसर होती दवा

जागरण संवाददाता, नोएडा : 'तू डाल डाल मैं पात पात।' यह मुहावरा मलेरिया फैलाने वाली मादा एनाफिलीज मच्छर पर सटीक बैठती है। वैज्ञानिकों द्वारा मादा मच्छर को खत्म करने के लिए खोजी गई दवा अब इस पर बेअसर साबित हो रही है। वैज्ञानिकों के लिए यह चिंता और चुनौती है।

फोर्टिस अस्पताल के मेडिसीन विभागाध्यक्ष डॉ. अजय अग्रवाल ने कहा कि निश्चित रूप से मादा एनाफिलीज मच्छर ने अपनी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा ली है। पहले की तुलना में ज्यादा प्रतिरोधक है। इसके कारण क्लोरोक्यूनीन जैसी दवा का असर क्षीण हो गया है। ऐसे में अब चिकित्सकों को नई दवाओं का सहारा लेना पड़ रहा है। घरों में बचाव के लिए प्रयोग किए जाने वाले लिक्विड क्वाइल के प्रति भी ये ज्यादा प्रतिरोधक हो गई है। इस वजह से भी इनका कहर बढ़ रहा है।

दरअसल, इसका कारण दवा का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाना है। इन मच्छरों ने खून के जरिए खुद के शरीर में प्रतिरोधक क्षमता का विकास कर लिया। इसलिए अब यह दवा ज्यादा कारगर नही हो पा रही है। यही वजह है कि अब अस्पतालों में मलेरिया के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। जिला अस्पताल में रोजाना तीस से ज्यादा मरीज मलेरिया के आ रहे है।

वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. संतराम बताते है कि नोएडा में दवाओं का बेहतर तरीके से छिड़काव नही होने से भी मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है।

मलेरिया विभाग बरत रहा है लापरवाही : शहर में मलेरिया नियंत्रण के लिए कोई बड़ा अभियान नहीं चलाया जा रहा है। जिला मलेरिया विभाग की तरफ से भी कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। शहर में मलेरिया संबंधित संवेदनशील इलाके की न ही पहचान की जा रही है और न ही इस बारे में प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग से संपर्क की जा रही है।

औसतन पांच सौ से ज्यादा लोग मलेरिया की चपेट में : जिले में प्रत्येक साल औसतन चार सौ से ज्यादा लोग मलेरिया की चपेट में आ रहे है। हालांकि, जिला मलेरिया विभाग के आंकड़े काफी कम है। 2013 में यह आंकड़ा 244 ही था। सरकारी विभाग इसकी जानकारी जुटाने में कोई दिलचस्पी भी नही लेता है। अगर वर्ष 2014 की बात करें तब जिला मलेरिया विभाग के अनुसार अब तक मलेरिया के 22 मामले सामने आए है।

> मलेरिया पर नियंत्रण करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित कर दिया गया है। वह लोगो को मच्छर जनित बीमारियो के प्रति जागरूक करेंगे। इसके अलावा कहां फागिंग नही हो रही है उसका पता लगाकर जन स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाएं।
>
> **-डॉ. आरके गर्ग मुख्य चिकित्सा अधिकारी गौतमबुद्ध नगर**

क्या है मलेरिया

- मादा एनाफिलीज मच्छर से फैलने वाली बीमारी।
- मादा एनाफिलीज मलेरिया के कारक प्लाजमोडियम नामक प्रोटोजोआ का वाहक।
- प्लाजमोडियम तीन प्रकार का होता है।
- पहला, प्लाजमोडियम वाइवेक्स, दूसरा, प्लाजमोडियम ओवेल, तीसरा, प्लाजमोडियम फैल्सीपेरम।
- प्लाजमोडियम फैल्सीपेरम कई बार मौत का कारण भी बन जाता है।

मलेरिया के लक्षण

- ठंड के साथ तेज बुखार आना। या अंतराल पर भी बुखार का आना।
- सिर में दर्द, उल्टी जैसी स्थिति या फिर शरीर मे कमजोरी आना।

मलेरिया की जांच

- मरीज के खून की जांच से रोग के बारे में जानकारी मिलती है।
- जांच में रक्त में प्लाजमोडियम पाए जाने पर इस बीमारी की पुष्टि हो जाती है।

बचाव बेहतर उपाय

- घर के आसपास ज्यादा समय तक पानी इकट्ठा न होने दें।
- पानी मे मट्टी का तेल, पेट्रोल या कोई कीटनाशक दवा का छिड़काव करें।